

खबर संक्षेप



मनरेगा के मजदूरों से मुलाकात कर ली जानकारी

भिलाई। मनरेगा बचाओ अभियान के तहत असंगठित कामगार, कर्मचारी कांग्रेस के सदस्यों द्वारा दुर्ग जिले के ग्राम मोखली, खर्ग,रंगा बहेरा में पहुंचकर मनरेगा में कार्यरत मजदूरों से मुलाकात किया। इस दौरान श्रमिकों को जानकारी दी और जागरूक किया कि प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा उन्हें कैसे मूर्ख बना रही है। उनका हक छीना जा रही है। अभियान में जिला महामंत्री दुर्ग ग्रामीण व प्रदेशसचिव केकेसी राम सूर्यवंशी ,जिलाध्यक्ष केकेसी राहुल वर्मा, पार्षद भारती राम सूर्यवंशी, प्रेम मिश्रा, विजय पूरी, मोटी यादव, लक्ष्मी नारायण मारकंडे, नामदास कुर्रें ,छवि, ,गोलू ,ऋषभ तिवारी, अजय श्रीवास्तव मौजूद थे।

जिला सलाहकार समिति की बैठक आज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में 6 जून को शाम 5 बजे से कलेक्टर कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में जिला स्तरीय सलाहकार समिति तथा जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में जिले के अंतर्गत आने वाले सभी बैंकों के जिला समन्वयकों, शाखाओं और संबंधित शासकीय विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। पिछली डीसीसी बैठक में सदस्यों की अनुपस्थिति और अधूरी जानकारी को कलेक्टर एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अत्यंत गंभीरता से लिया गया है, तथा अनुपस्थित सदस्य बैंकों व विभागों के नाम आवश्यक कार्यवाही हेतु उनके नियंत्रक कार्यालयों को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। इस बैठक में सभी सदस्यों की उपस्थिति अति आवश्यक है। समस्त जिला समन्वयक एवं संबंधित अधिकारियों को पिछले बैठक की कार्यवाही की रिपोर्ट, अपनी अधीनस्थ शाखाओं द्वारा शासकीय योजनाओं के अंतर्गत किए गए ऋण स्वीकृति एवं वितरण की अद्यतन जानकारी के साथ निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

माटरा को मिलेगा नया बाजार, हुआ भूमिपूजन



दुर्ग। ग्राम माटरा के ग्रामीणों को जल्द ही एक सुव्यवस्थित बाजार की सौगात मिलने जा रही है। ग्राम माटरा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की उपस्थिति में पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ हाट बाजार का भूमि पूजन विधि-विधान से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य राजेश साहू, सरपंच देवशरण साहू, तेजराम साहू, दशरथ साहू, दीनदयाल साहू, नाथूराम और अमृत उपस्थित थे। जनप्रतिनिधियों ने निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा कराने का भरोसा दिया है।



कलेक्टर अभिजीत सिंह ने ली समीक्षा बैठक

राई। बैठक में कलेक्टर ने शून्य से 18 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन हेतु जिले में व्यापक सर्वे अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस अभियान के लिए समाज कल्याण, जिला शिक्षा अधिकारी, एडीपीओ, डीएमसी, महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में समग्र शिक्षा अधिकारी ने समग्र शिक्षा अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एवं सर्वेक्षण के संबंध में बैठक आयोजित की

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने ली समीक्षा बैठक

राई। बैठक में कलेक्टर ने शून्य से 18 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन हेतु जिले में व्यापक सर्वे अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस अभियान के लिए समाज कल्याण, जिला शिक्षा अधिकारी, एडीपीओ, डीएमसी, महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए।

समान्य सभा : शहर सरकार और सभापति ने सफाई के मुद्दे पर आयुक्त को घेरने का किया प्रयास
 छह महीने पहले 3.80 करोड़ के टेके के बाद भी नहीं बंदे
 डस्टबिन, धमधा नाका सेग्रिगेशन प्लांट लंबे समय से बंद

हरिभूमि न्यूज
 ►►दुर्ग

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 को शहर में लागू करने के लिए शुक्रवार को दुर्ग निगम की विशेष समान्य सभा का आयोजन किया गया। बैठक में 3.80 करोड़ रुपए की डस्टबिन खरीदी का मुद्दा सभापति श्याम शर्मा ने आसदी में रहते हुए उठाया। उन्होंने कहा कि 6 महीने पहले टेंडर प्रक्रिया हुई, लेकिन डस्टबिन बंदे नहीं। इतना ही नहीं दुकानदारों से डस्टबिन नहीं होने पर 500 रुपए का फाइन काटा जा रहा है, जबकि जवाबदेही लोगों की नहीं निगम के अधिकारियों की है। उन्होंने जानकारी स्पष्ट करने की बात कही। इस पर आयुक्त सुमित अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि खरीदी की प्रक्रिया जैम पोर्टल में हुई थी। इसे लेकर एक फर्म ने शासन से शिकायत की थी। इसकी जांच हुई, जांच में प्रक्रिया सही पाई गई। इसके बाद निर्धारित एजेंसी को वर्कऑर्डर जारी किया गया है। इस बीच शासन में फाइल कुछ समय के लिए अटक रही, इस वजह से देरी हुई। इसी प्रकार धमधा नाका में करोड़ों रुपए खर्च कर लगाए गए सेग्रिगेशन प्लांट से कचरा प्रोसेसिंग नहीं होने का मुद्दा एमआईसी मंबर नरेंद्र बंजारे ने उठाया। उन्होंने कहा कि पहले जनरेटर नहीं होने की बात कहते हुए कचरा प्रोसेसिंग नहीं की जा रही थी, अब जनरेटर लगने के बाद भी काम बंद है। कचरा सड़कों में फैल रहा है, लोगों के द्वारा शिकायत की जा रही है। इस पर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि मशीन चल रही है, इसका उनके पास वीडियो भी उपलब्ध है। पार्षद कुलेश्वर साहू ने पुलगांव नाला डायवर्सन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि शहर को आज भी नाला का गंदा पानी ही फिल्टर करके पिलाई जा रहा है, काम अधूरा है, लेकिन एजेंसी को पूरा भुगतान कर दिया गया है। आयुक्त ने कहा कि पुलगांव नाला डायवर्सन काम कर रहा है, भुगतान दो साल पहले हुआ है। बैठक में महापौर अल्का बाघमार प्रमुख रूप से मौजूद थीं। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे, मनीष साहू, शिव नायक, अजीत वैद्य, सरस निर्मलकर, खिलावन मटियारा, जितेंद्र महोविया, रामचंद्र सेन सहित अन्य मौजूद थे।

ट्रैफिक कंट्रोल का प्लान : सड़कों का होगा चौड़ीकरण, कुछ मार्ग होंगे वन-वे, सर्वे आज

हरिभूमि न्यूज
 ►►दुर्ग

शहर में ट्रैफिक व्यवस्था बेलगाम है। इंदिरा मार्केट, पुराना बस स्टैंड, शनिचरी बाजार, तहसील कार्यालय, सिंधी कॉलोनी, ग्रीन चौक, चंडी मंदिर से मान होटल चौक, सदर लाइन से लेकर अन्य अंधरूनी बस्तियों से गुजरना मुश्किल है। लगातार दिक्कतों को देखते हुए ट्रैफिक कंट्रोल को लेकर नया प्लान तैयार किया जा रहा है। इसे लेकर शिक्षामंत्री और स्थानीय विधायक गजेंद्र यादव ने शुक्रवार को बोर्सी से लेकर पोतिया, इंदिरा मार्केट सहित अन्य जगहों का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सर्वे कर निराकरण तलाशने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि 6 जून से ही सर्वे शुरू किया जाए। सड़कों के चौड़ीकरण, वन-वे मार्ग से लेकर अन्य विकल्पों की जानकारी लेकर कार्ययोजना तैयार की जाए।

निरीक्षण के दौरान पोतिया चौक से बस्ती तक मार्ग, बोर्सी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र, बस स्टैंड से गणेश मंदिर रोड, नयापारा चौक से आनंद सरोवर तक मार्ग, बघेरा रोड सहित विभिन्न स्थानों का अवलोकन कर यातायात सुधार एवं सड़क चौड़ीकरण की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि दुर्ग शहर का लगातार विस्तार हो रहा है, जिसके अनुरूप सड़क एवं यातायात अधोसंरचना का विकास आवश्यक है। नागरिकों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं बाधा रहित आवागमन उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है।

समाज कल्याण, जिला शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम करेगी सर्वे

0 से 18 वर्ष तक के दिव्यांगजनों की होगी पहचान

हरिभूमि न्यूज
 ►►दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभागार में समग्र शिक्षा अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एवं सर्वेक्षण के संबंध में बैठक आयोजित की

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने ली समीक्षा बैठक

राई। बैठक में कलेक्टर ने शून्य से 18 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन हेतु जिले में व्यापक सर्वे अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस अभियान के लिए समाज कल्याण, जिला शिक्षा अधिकारी, एडीपीओ, डीएमसी, महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए।



सौंदर्यीकरण को भी रखा जाए प्राथमिकता में : गजेंद्र

निरीक्षण के दौरान बोर्सी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण, नयापारा चौक से आनंद सरोवर तक सड़क चौड़ीकरण, बस स्टैंड से गणेश मंदिर रोड में मोड़ के पास सड़क चौड़ीकरण, मजबूतीकरण और सौंदर्यीकरण करने संबंध में आवश्यक तकनीकी सर्वे कर शीघ्र इस्टीमेट तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर यातायात दबाव को कम करने, सड़क सुरक्षा बढ़ाने तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूर्ण कार्ययोजना तैयार करने पर भी जोर दिया गया। गजेन्द्र यादव ने अधिकारियों से कहा कि जिन क्षेत्रों में सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने सड़क चौड़ीकरण के साथ-साथ रव्ने में पर्याप्त रोशनी, सड़क किनारे जल निकासी, पैदल यात्रियों की सुविधा, यातायात संकेतक, सभी चौक चौराहा का सौंदर्यीकरण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी प्रस्तावों में शामिल करने के निर्देश दिए।

पोतिया से बोर्सी तक सर्वे का कार्य आज से होगा शुरू

गजेन्द्र यादव ने कहा कि दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए निरंतर मैदानी निरीक्षण कर रहे हैं तथा जनता की सुविधा से जुड़े प्रत्येक विषय पर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। आने वाले समय में इन कार्यों के पूर्ण होने से शहर की यातायात व्यवस्था और अधिक सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित होगी, जिससे हजारों नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। पौडसलूटी के इंजिनियर ने बताया की शहर के आंतरिक मार्गों के मजबूतीकरण चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण किया जाना है, बजट में प्रस्तावित कार्यों का कल से सर्वे प्रारंभ किया जाएगा जिसमें हेमचंद्र यूनिवर्सिटी से पुराना हाउसिंग चौक बोर्सी तक चौड़ीकरण व मजबूतीकरण का सर्वे कल से शुरू हो जाएगा। इसी के साथ ही महाराजा चौक से पहिरवा बुटीक तक भी सर्वे होगा। इसके अलावा साई मंगलम के आगे से से केनाल होते बोर्सी साहू होटल बोर्सी चौक तक, नयापारा से आनंद सरोवर मोड़ तक, स्मृति नगर मुख्य मार्ग से कातुलबोर्ड सड़क का भी इस्टीमेट शीघ्र ही तैयार किया जाएगा।



सर्व करने वाले कर्मचारियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि यह सर्व व्यापक स्तर पर संचालित किया जाए। इसके तहत विकासखंड एवं ब्लॉक स्तर पर सीआरपी एवं स्पेलान एजुकेटर द्वारा सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मितागिन सहित जमीनी स्तर के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाए। साथ ही प्रत्येक विद्यालय से एक शिक्षक को इन्वर्सिव एजुकेशन एक्सपर्ट के रूप में चिन्हित कर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान शासन से तय गाइडलाइन के बारे में जानकारी दी जाएगी।

हरिभूमि न्यूज
 ►►दुर्ग

जिला चिकित्सालय में इलाज कराने आने वाले मरीजों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 500 बेड की क्षमता वाले इस अस्पताल में रोजाना 1000 से ज्यादा मरीज स्थानीय और अन्य जिलों से गुणात्मक इलाज के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में इंटरकॉम सुविधा का बंद होना डॉक्टरों और मरीजों दोनों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। वर्तमान में आपातकालीन विभाग और मातृत्व शिशु विभाग में इंटरकॉम सेवा पूरी तरह निष्क्रिय है। जबकि पहले यह सुविधा अस्पताल में चालू थी। आपात स्थिति में वाई से वार्ड, डॉक्टर से नर्स और विभागों के बीच तुरंत संपर्क के लिए इंटरकॉम अनिवार्य श्रेणी में आता है। इसके बंद होने से गंभीर मरीजों के इलाज में देरी की आशंका बनी रहती है। इसी समस्या को लेकर जिला चिकित्सालय जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर, मानद सदस्य प्रशांत डोंगांवकर और रेड क्रॉस सदस्य दुयंत

खाद-बीज के लिए भटक रहे किसान, शिकायत

दुर्ग। पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्टर दुर्ग को कृषि सहकारी सोसाइटी में खाद, डीएपी, यूरिया, बीज संकट और अव्यवस्था सहित जिला अस्पताल में रिसाली की दीपिका गाड़ा के मौत पर कार्यवाही के संबंध पर सहित विभिन्न बिंदु पर ज्ञापन सौंपा।

ताम्रध्वज साहू ने कहा कि वर्तमान में खरीफ सत्र में किसानों को सरकार द्वारा उपलब्ध करवाए जाने वाले खाद डीएपी यूरिया, एसएसपीएमओपी व अन्य मिश्रित खाद तथा बीज कृषि सहकारी समितियों से खुले बाजार के माध्यम से किया जा रहा है। सोसायटियों में सभी आवश्यक खाद का अब तक एकमुश्त भंडारण नहीं होने से किसान हर दिन खाद के लिए लाईन में परेशान खड़े है। पूरे जिले के समितियों से बमुश्किल 30 फीसदी किसान ही शासन के कटौती वाले मात्रा में ही खाद उठा पाये है। धान बीज की उपलब्ध भी कमजोर है। सिर्फ सरना किस्म का धान आया है, वह भी अमानक स्तर का है। अधिकांश समितियों में डीएपी जैसे



देवांगन ने गुरुवार को अस्पताल के मुखिया सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. एके मिंज को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि मरीजों की सुविधा और बेहतर इलाज के लिए इंटरकॉम सेवा तुरंत बहाल की जाए। दूरदराज से आने वाले मरीजों को सही वार्ड और डॉक्टर तक पहुंचने में दिक्कत होती है। डॉ. एके मिंज ने कहा कि मरीजों की सुविधा सर्वोपरि है। इंटरकॉम सेवा बहाली के लिए शीघ्र कार्यवाही की जाएगी। तकनीकी कारणों से बंद हुई सेवा को प्राथमिकता पर शुरू कराया जाएगा। जीवन दीप समिति के सदस्यों ने उम्मीद जताई कि जल्द ही यह सेवा शुरू होगी और मरीजों को राहत मिलेगी।



आवश्यक खाद अब तक नहीं पहुंच पाया है। खुले बाजार में भी किल्लत और सरेंआम लूट के शिकार हो रहे है, मानसून सामने और किसान खेतों की तैयारी के बजाय खाद, बीज के लिए भटक रहे है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी धीरज बाकलीवाल, नगर निगम रिसाली महापौर शशि सिन्हा, ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र देशमुख, ब्लॉक अध्यक्ष रिसाली दिनेश, केश कला, नंद कुमार सेन, रिविन्द्र यादव, योगिता चन्द्रकार, लक्ष्मी साहू, झमिंत गायकवाड़ आदि मौजूद थे।

केंद्र के बराबर डीए की मांग

हरिभूमि न्यूज
 ►►दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान महंगाई भत्ता डीए देने की मांग उठाई है। संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, वित्त मंत्री ओपी चौधरी और मुख्य सचिव विवेक ढांड से प्रदेश के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाकर 60 प्रतिशत करने की मांग की है। सैय्यद असलम ने बताया कि केंद्र सरकार ने अपने अधिकारी-कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए इसे 1 जनवरी 2026 से 60 प्रतिशत कर दिया है। वहीं छत्तीसगढ़ सरकार ने भी आईएसएस और आईपीएस केडर के अधिकारियों के लिए महंगाई भत्ता

केंद्र सरकार के समान महंगाई भत्ता दिया जाना चाहिए।

कर्मचारियों ने किया है।

बढते प्रदूषण और घटते भूजल स्तर को देखते हुए बनी कार्ययोजना, शासन के निर्देश पर लिया निर्णय

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। बढ़ते प्रदूषण, घटते भू-जल स्तर और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। वृक्ष हटें ऑक्सीजन, छाया और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में नियमित रूप से पौधारोपण करे और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी निभाए तो आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि विशेष अवसरों पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक में नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले ने वाडों में सफाई की लवच व्यवस्था को लेकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि वाडों से नियमित कचरा नहीं उठा रहा। जगह-जगह कचरा जलाने की शिकायतें सामने आ रही है। इस पर अंकुश लगाने की दिशा में कार्य करने की जरूरत है।

डस्टबिन खरीदी में बरती गई पारदर्शिता

डस्टबिन खरीदी में पूरी तरह से पारदर्शिता बरती गई है। जैम पोर्टल के माध्यम से खरीदी की गई। शासन स्तर पर हुई शिकायत की जांच में थोड़ा समय लगा। वर्तमान में एजेंसी को वर्कऑर्डर जारी कर दिया गया है। पुलगांव नाला में जलकुंभी साफ करने के लिए मछुवारों से संपर्क किया जा रहा है। पॉन्ड मशीन से साफ करना संभव नहीं है। पुलगांव नाला डायवर्सन में सुगतान दो साल पहले हो चुकी है। धमधा नाका में सेग्रिगेशन प्लांट का संचालन हो रहा है।

-सुमित अग्रवाल, आयुक्त नगर निगम दुर्ग

ग्रामीण क्षेत्रों में भी सेग्रिगेशन को लेकर अभियान, कचरा जलाने वालों पर कार्रवाई



दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील में पारित कड़े आदेशों के बाद गाइडलाइंस जारी की गई है। ग्रामीण इलाकों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 को पूरी कड़ाई से लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत अब जिले में खुले में कचरा फैकने, डंप करने, उसे जलाने या दबाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। नियमों की चौबीसों घंटे सख्त निगरानी करने और पर्यावरणीय मानकों को बनाए रखने के लिए जिला स्तर पर एक विशेष टास्क फोर्स का भी गठन किया गया है, जो कचरा प्रबंधन से जुड़े हर मोर्चे पर पैनी नजर रखेगी। कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। उन्होंने इस अभियान के तहत कार्ययोजना की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि विगत दिवस अभियान अंतर्गत एक दिवसीय हाई-टेक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस कार्यशाला में जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा एवं पाटन की समस्त 300 गांवों में यह अभियान चलेगा। 5 बड़े मोर्चों पर कड़ाई से काम किया जाएगा, जिसमें स्रोत से ही कचरे का पृथक्कीकरण, शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कलेक्शन, वैज्ञानिक डिस्पोजल, पुराने डंपिंग गार्डों का खाला और स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाना शामिल है। अब बिना स्थानीय निकाय की पूर्व अनुमति के 100 से अधिक व्यक्तियों का कोई भी आयोग नहीं किया जा सकेगा, और बड़े पैमाने पर कचरा पैदा करने वाले संस्थानों को ऑनलाइन पोर्टल पर अनिवार्य पंजीकरण कराकर अपने गौले कचरे के निपटन के लिए स्वयं कंपोस्टिंग या बायोमिथेशन प्लांट लगाने होंगे।

लाइव इवेंट

अपग्रेड योर लाईफ, साइकिल से महाविद्यालय आओ का दिया संदेश



दुर्ग। शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के क्रीडा विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में विश्व सायकल दिवस सप्ताह का आयोजन प्राचार्य डॉ० रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन किया जा रहा है। प्राचार्य ने छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि सायकल चलाने से सम्पूर्ण शारीरिक व्यायाम हो जाता है एवं वाहन का प्रयोग कम करने से पर्यावरण शुद्ध होता है साथ ही ईंधन की बचत होती है। विश्व सायकल दिवस के अवसर पर वर्तमान परिस्थिति में सायकल की अनिवार्यता विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ यशेश्वरी ध्रुव, डॉ मोनिया राकेश, ज्योति भरणे, खुशबू साहू उपस्थित थे। मनस्वी निर्मलकर, चंचल यादव, नीतू देशमुख, हेमकुमारी ने अपने विचार प्रकट किए। सप्ताह के दूसरे दिन सायकल रैली का आयोजन में किया गया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ के एल राठी, डॉ सुषमा यादव, एन एस एस प्रभारी ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर आगाज किया। क्रीडाधिकारी डॉ ऋतु दुबे के नेतृत्व में कुल 19 छात्राओं ने रैली में हिस्सा लिया। यह रैली महाविद्यालय से निकल हड़को कॉलोनी होते हुए लगभग दूरी 3.5 किमी. की दूरी तय कर वापस महाविद्यालय में समाप्त हुई। इस रैली में प्रिया साव, चंचल यादव, मनस्वी निर्मलकर, हिना निर्मलकर, उर्मिला निर्मलकर, तारणी निषाद, भूमिका साहू, नंदिनी निर्मलकर, योगेश्वरी निषाद, खुशबू ताण्डी, लक्ष्मी सिन्हा, पायल साहू, इशुलता आदि खिलाड़ी छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान आज पैडल मारोगे तो कल शुद्ध सांस ले पाओगे और अपग्रेड योर लाईफ, सायकल से महाविद्यालय आओ का संदेश दिया। इस कार्यक्रम के आयोजन में रामदास, ओमसिंह ध्रुव, विजय चन्द्राकर ने अपना सहयोग दिया।



लाइव इवेंट

साई मंदिर की नई कार्यकारिणी घोषित मंदिर के विकास का लिया संकल्प



दुर्ग। साई महोत्सव समिति सिविल लाइन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष धनेन्द्र कांत चंदेल ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। उन्होंने यह कार्यकारिणी नवनिर्वाचित सचिव धीरेन्द्र शर्मा से परामर्श उपरांत घोषित की है। घोषित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष मुरलीधर राऊत, संतोष यदु, सह सचिव संतोष खिरोड़कर, कोषाध्यक्ष रामेन्द्र बंजारी, प्रचार मंत्री अजय सुरपाम्, नारायणदत्त तिवारी बनाए गए हैं। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में रमेश शर्मा, रविन्द्र भटनागर, कौशल किशोर सिंह, रोमनाथ साहू, रमेश दीक्षित, सत्येन्द्र सिंह राजपूत, गणेश निर्मलकर, रवि भट्ट, राकेश सेन, प्रहलाद रंगटा, विनय चंद्राकर को शामिल किया गया है। इसके अलावा समिति द्वारा मंदिर की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से 11 वरिष्ठ सदस्यों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। इन्हें सुरेन्द्र शर्मा, विपिन बोहरा, डॉ. सुधीर हिशॉकर, राधेश्याम अग्रवाल, डॉ. मोहनलाल अग्रवाल, डॉ.एमके साहू, विमल सक्सेरिया,अजय तिवारी, नीतिन फूले, संजय दुबे, दशरथ साहू के नाम शामिल हैं। ये सभी वरिष्ठ सदस्य मंदिर से संबंधित विभिन्न गतिविधियों एवं आयोजनों में कार्यकारिणी समिति का मार्गदर्शन करेंगे। इसके अलावा मंदिर के कार्यालयीन कार्यों के सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन के लिए श्रीधर भजने को कार्यालय प्रभारी नियुक्त किया गया है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष धनेन्द्र कांत चंदेल ने कहा कि समिति का उद्देश्य साई मंदिर की धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाना तथा श्रद्धालुओं को मंदिर में व्यवस्थागत सुविधा उपलब्ध करवाना है।

श्री मनोकामनेश्वर महादेव मंदिर का स्थापना दिवस 11 को, तैयारी तेज

दुर्ग। गायत्री मंदिर वार्ड संतराबाड़ी स्थित मनोकामनेश्वर महादेव मंदिर का 5वां वार्षिक उत्सव 11 जून को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। उत्सव का शुभारंभ दोपहर 1 बजे से विधि-विधान के साथ रुद्राभिषेक एवं महाआरती से होगी। इसके बाद शाम 6.30 बजे से भक्ति रस से ओतप्रोत भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शिव भक्त भगवान भोलेसथ के भजनों का आनंद लेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत शाम 7.30 बजे से श्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। आयोजन समिति के प्रमुख कमलेश सिंह ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं एवं नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने और आयोजन में सेवा देने को कहा है।

पीएमओ ने भारत मंडपम में बुलाया, शार्क टैंक इंडिया में भी दिखाया दम

टिवनसिटी के दो युवा उद्यमियों ने फोर्ब्स अंडर 30 एशिया 2026 में बनाई जगह, एरोलिप एआई होम जिम से मचाई धूम

भिलाई। दुर्ग के अनुराग दानी और भिलाई के रोहित पटेल का नाम दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित सूची फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया 2026 में शामिल हुआ है। एशिया के 300 प्रभावशाली युवाओं की इस लिस्ट में भारत से 78 नाम हैं, जिनमें ये दोनों दोस्त छत्तीसगढ़ का परचम लहरा रहे हैं। टिवनसिटी हमेशा से प्रतिभा, परिश्रम और नवाचार की समृद्ध परंपरा के लिए सदैव जानी जाती रही है। प्रदेश के युवाओं ने समय-समय पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का परिचय देकर राज्य का मान बढ़ाया है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए दुर्ग के युवा उद्यमी अनुराग दानी और भिलाई के युवा उद्यमी रोहित पटेल ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। दोनों युवा उद्यमियों का चयन विश्व की प्रतिष्ठित सूची “फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया – 2026” में हुआ है, जो एशिया के सबसे प्रभावशाली और नवाचारी युवा उद्यमियों, वैज्ञानिकों, कलाकारों एवं परिवर्तनकारी व्यक्तित्वों को सम्मानित करने वाली अंतरराष्ट्रीय सूची मानी जाती है। यह उपलब्धि केवल दो व्यक्तियों की सफलता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के युवाओं की प्रतिभा, संकल्प और उद्यमशीलता की वैश्विक पहचान का प्रतीक है। छोटे शहरों से निकलकर विश्व स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करना इस बात का प्रमाण है कि यदि सपने बड़े हों, दृष्टि स्पष्ट हो और परिश्रम निरंतर हो, तो सफलता की कोई सीमा नहीं होती।



स्कूल से आईआईटी दिल्ली तक का सफर दोनों की दोस्ती और सपनों की शुरुआत डीपीएस भिलाई से हुई। 2014 तक साथ पढ़ाई की। फिर आईआईटी दिल्ली से 2018 में बी-टेक किया। कॉलेज के दिनों में ही तकनीक से समाज की समस्या सुलझाने का जुनून था। यही जुनून बेंगलुरु में 'एरोलिप' नाम के स्टार्टअप की नींव बना।



क्या है एरोलिप अनुराग और रोहित ने फिटनेस सेक्टर में क्रांति ला दी। उन्होंने एआई आधारित होम जिम मशीनें बनाईं। कम जगह में पूरी जिम, पर्सनल ट्रेनर जैसा अनुभव मिल सकता था। तकनीक और इन्वेंशन के दम पर कंपनी ने तेजी से पहचान बनाई। आज एरोलिप आत्मनिर्भर भारत और भारतीय युवाओं की इन्वेंटिव सोच का प्रतीक बन चुकी है।



पीएमओ से शार्क टैंक तक मिली पहचान दो साल पहले प्रधानमंत्री कार्यालय ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्रतिष्ठित प्रदर्शनी के लिए इन्हें आमंत्रित किया। किसी भी स्टार्टअप के लिए यह बड़ा सम्मान होता है। इसके बाद शार्क टैंक इंडिया में भी अपने प्रोडक्ट का प्रदर्शन किया। देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा बने। अनुराग दुर्ग के प्रसिद्ध नाक,कान,गला रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय दानी और नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. ममता दानी के बेटे हैं। रोहित भिलाई के नामी आर्किटेक्ट राजेंद्र पटेल और इंटीरियर डेकोरेटर हेमा पटेल के सुपुत्र हैं। दोनों परिवार शिक्षा और समाजसेवा के लिए जाने जाते हैं।

छोटे शहर, बड़े सपने

इनकी सफलता ने साबित किया कि प्रतिभा महानगरों की मोहताज नहीं होती। सही दिशा, कड़ी मेहनत और स्पष्ट विजन से छोटे शहरों के युवा भी दुनिया जीत सकते हैं। दुर्ग-भिलाई से निकलकर फोर्ब्स की लिस्ट में पहुँचना हर युवा के लिए संदेश है। चिकित्सा, शिक्षा, उद्योग और साहित्य जगत से जुड़े लोगों ने दोनों को बधाई दी है। आरंभ साहित्य समिति के मुख्य संरक्षक कैलाश जैन बरमेका ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के हजारों युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करेगी।

विश्वप्रसिद्ध व्यावसायिक पत्रिका है फोर्ब्स,

अब उनकी उपलब्धियों में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। विश्वप्रसिद्ध व्यावसायिक पत्रिका फोर्ब्स द्वारा जारी “फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया 2026” सूची में स्थान प्राप्त करना किसी भी युवा उद्यमी के लिए अत्यंत प्रतिष्ठित सम्मान माना जाता है। उल्लेखनीय है कि इन वर्ष की सूची में एशिया के विभिन्न देशों से कुल 300 युवा प्रतिभाओं को स्थान दिया गया है। इनमें 78 भारतीय प्रतिभाओं का चयन हुआ है, जो इस सूची में भारतीय युवाओं के बढ़ते प्रभाव और वर्चस्व को दर्शाता है। ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर अनुराग दानी और रोहित पटेल का चयन न केवल दुर्ग-भिलाई, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

दुर्ग में 7 जून को छग टैक्स बार काउंसिल का अधिवेशन

दुर्ग। टैक्स बार एसोसिएशन के तत्वाधान में 19वां छत्तीसगढ़ टैक्स बार काउंसिल अधिवेशन 7 जून को पृथ्वी पैलेस शिवनाथ नदी के समीप दुर्ग में आयोजित किया गया है। प्रदेशभर के कर अधिवक्ताओं, कर सलाहकारों एवं विधि विशेषज्ञों की उपस्थिति में होने वाला यह अधिवेशन करगधान से जुड़े समसामयिक विषयों पर विमर्श का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। शुभारंभ सुबह 8:30 बजे पंजीयन के साथ होगा। इसके पश्चात सुबह 9:30 बजे उद्घाटन सत्र आयोजित किया जाएगा। मुख्य अतिथि केन्द्रीय जीएसटी अपीलौय अधिकरण छत्तीसगढ़ पीठ तकनीकी सदस्य सतीश कुमार अग्रवाल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के अधिवक्ता मूलचंद जैन करेंगे। प्रातः 11 बजे से तकनीकी सत्र का आयोजन होगा, जिसमें जीएसटी अधिनियम-2017 के अध्याय-14

(निरीक्षण, तलाशी, जब्ती एवं गिरफ्तारी) विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया जाएगा। इस सत्र के मुख्य वक्ता उत्तरप्रदेश उच्च न्यायालय मेाट के अधिवक्ता संजय शर्मा होंगे। सत्र की अध्यक्षता उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के अधिवक्ता राजेश्वर राव करेंगे। अधिवेशन के दूसरे चरण में दोपहर 2:45 बजे से छत्तीसगढ़ टैक्स बार काउंसिल की संगठनात्मक गतिविधियों एवं भावी कार्ययोजनाओं पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद परिषद की दो वर्षीय कार्यकाल हेतु प्रदेश कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न कराया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए टैक्स बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष मनोज कुमार ताम्रकार ने प्रदेश के सभी कर अधिवक्ताओं एवं संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों से अधिवेशन में शामिल होने की अपील की है।

डॉ. राकेश को पीएचडी उपाधि ज्ञानरंजन की कहानियों पर शोध



भिलाई। कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय सेक्टर-7 भिलाई के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अंजन कुमार के कुशल निर्देशन में डॉ. राकेश कुमार ने अपना शोधकार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। उन्होंने बीसवीं सदी की हिंदी कहानी में नवोन्मेष और ज्ञानरंजन का रचनात्मक वैशिष्ट्य एवं प्रदेश विषय पर उत्कृष्ट शोध किया। हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा डॉ. राकेश कुमार को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उनका शोध बीसवीं सदी की हिंदी कहानी में हुए नवाचार और प्रसिद्ध कथाकार ज्ञानरंजन के साहित्यिक योगदान पर केंद्रित है।

टैक्सेशन और कॉर्पोरेट अधिवक्ता डॉ. एम.के पाढ़ी हुए मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित

भिलाई। शहर के उच्च न्यायालय अधिवक्ता डॉ. एम. के. पाढ़ी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला है। विधि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, दीर्घकालीन अनुभव और विशिष्ट सेवाओं के लिए कैडर ब्रूक यूनिवर्सिटी यूएसए ने उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया। यह सम्मान नई दिल्ली में आयोजित दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया। डॉ. एम. के. पाढ़ी करगधान टेक्शेसन एवं कॉर्पोरेट मामलों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं। विगत कई वर्षों से उच्च न्यायालय एवं विभिन्न न्यायिक मंचों पर सफलतापूर्वक अधिवक्ता के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। विश्वविद्यालय ने विधि एवं करगधान के क्षेत्र में उनके



उल्लेखनीय योगदान, उत्कृष्ट विधिक विशेषज्ञता तथा समाज के प्रति समर्पित सेवाओं को देखते हुए इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मान से विभूषित किया। इस उपलब्धि पर भिलाई सहित छत्तीसगढ़ के विधि जगत सहित विभिन्न सामाजिक, विधिक एवं व्यावसायिक संगठनों द्वारा डॉ. एम. के. पाढ़ी को शुभकामनाएं दी गईं।

सुपेला भिलाई के बंदी ने 2018 से जेल में रहकर की पहली से 12वीं तक पढ़ाई

सलाखों के पीछे से सफलता की उड़ान, आजीवन सजा काट रहा बंदी बना 12वीं में टॉपर, अंग्रेजी में डिस्टिंक्शन



अवसर, संस्कार और शिक्षा मिलने पर वही व्यक्ति समाज के लिए प्रेरणा बन सकता है। दुर्ग सेंट्रल जेल में हो रहा यह परिवर्तन पूरे समाज के लिए उम्मीद की किरण है।

शिक्षक बनकर समाज में लौटने का संकल्प

बंदी ने बताया कि सजा पूरी कर जब वह बाहर जाएगा तो समाज के साथ जीवन जाएगा। उसका सपना है कि वह खुद शिक्षक बनकर

बच्चों को पढ़ाए और उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित करे। उसका कहना है कि शिक्षा ही वह ताकत है जो अंधेरे जीवन में भी उजाला ला सकती है। उसका यह संकल्प साबित करता है कि इंसान गलतियां कर सकता है, पर सुधरने का मौका हर किसी को मिलना चाहिए।

दुर्ग जेल में शिक्षा की क्रांति- 103 बंदी हुए पास

केन्द्रीय जेल दुर्ग में शिक्षा को लेकर बड़ा बदलाव आया है। शिक्षण सत्र 2025-26 में महिला और पुरुष बंदियों ने पहली कक्षा से लेकर एम.ए. अंतिम वर्ष तक की परीक्षाएं दीं। कुल 103 बंदियों ने सफलता का परचम लहराया। यह आंकड़ा बताता है कि जेल अब सिर्फ सजा की जगह नहीं, सुधार की पाठशाला बन रही है। इस सफलता के पीछे जेल अधीक्षक, जेल प्रशासन और पाठशाला में पढ़ाने वाले शिक्षकों की बड़ी भूमिका है। उनके लगातार प्रयासों से बंदियों को न सिर्फ किताबें मिलीं, बल्कि बेहतर कल का सपना भी मिला। जेल में चल रहे शैक्षणिक कार्यक्रमों ने साबित किया कि सकारात्मक माहौल मिले तो कोई भी व्यक्ति अपनी जिंदगी बदल सकता है।



कार्नर न्यूज

भिलाई। शिक्षा वह प्रकाश है जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी आशा की नई किरण जगाता है। इसका प्रेरणादायी उदाहरण केन्द्रीय जेल दुर्ग में देखने को मिला। जहां आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे सुपेला, भिलाई के एक बंदी ने इसे सच कर दिखाया है। वर्ष 2018 से भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 302 के तहत हत्या के मामले में जेल में बंद इस शख्स ने 12वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास कर सबको चौंका दिया। खास बात यह है कि उसे अंग्रेजी विषय में डिस्टिंक्शन भी मिला है।

अशिक्षित था, अब बना मिसाल

जेल पहुंचने तक वह पूरी तरह अशिक्षित था। लेकिन शिक्षा की ताकत को समझते हुए उसने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन में जेल की पाठशाला में दाखिला लिया। सीमित संसाधन, सलाखों की बंदिशें और सजा का बोझ, फिर भी उसने हार नहीं मानी। कक्षा पहली से शुरुआत कर कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से 12वीं तक का सफर पूरा किया। जेल में बंदी की यह सोच सुधारात्मक न्याय व्यवस्था की सबसे खूबसूरत मिसाल है। उसने अपनी लगनशीलता से यह बताया कि अपराध किसी की अंतिम पहचान नहीं होता। सही

● विश्व पर्यावरण दिवस 2026 : थीम पर दुर्ग-भिलाई में विविध आयोजन, पौधारोपण से लेकर जागरूकता रैली निकली

धरती का श्रृंगार करने टिवनसिटी में जगह-जगह पौधारोपण

मिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस शुक्रवार को टिवनसिटी में उत्साह के साथ मनाया गया।हर साल 5 जून को मनाया जाने वाला पर्यावरण संरक्षण 2026 में इस बार की थीम प्रकृति से प्रेरित, जलवायु और हमारे भविष्य के लिए रखा गया है। इसी संदेश के साथ शहर में अनेक छोटे-बड़े आयोजन किए गए। कार्यक्रमों की शुरुआत पौधरोपण से हुई, जहां युवाओं ने सैकड़ों पौधे लगाए। इसके बाद

स्कूल-कॉलेजों में पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई। बच्चों ने नुक्कड़ नाटक और पोस्टर के जरिए प्लास्टिक के दुष्प्रभाव बताए। वक्ताओं ने कहा कि धरती को बचाने के लिए हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

बीएसएफ का हरित संकल्प, 5000 से अधिक पौधों की करेंगे रक्षा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सामरिक मुख्यालय बीएसएफ छातीसगढ़ द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को देहराते हुए व्यापक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत सामरिक मुख्यालय बीएसएफ छातीसगढ़, मिलाई तथा अधीनस्थ वाहिनियों एवं इकाइयों में 5000 से अधिक छायादार, औषधीय, फलदार एवं सजावटी पौधों का रोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ निरधारी लाल मीणा, उप महानिरीक्षक द्वारा पौधारोपण कर किया गया।।एसएफ के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वाहन किया। इस अवसर पर उप महानिरीक्षक ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के अंत में बीएसएफ परिवार की ओर से सभी देशवासियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं जनभागीदारी का संदेश दिया गया।



प्रकृति की रक्षा करना हम सब का कर्तव्य

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में गजेन्द्र यादव केबिनेट मंत्री छातीसगढ़ शासन के द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर परिसर में करंज के पौधे का रोपण किया गया साथ ही बघेरा से हाइवे को जोड़ने वाली नवनिर्मित सड़क के दोनों तरफ वृक्षारोपण किया गया। ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा दीदी ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है प्रकृति हमारी आवश्यकता नहीं है, प्रकृति हमारी जीवन है और इसकी रक्षा करना हम सब का कर्तव्य है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कमलेश फेकर, दिनेश देवांगन ममता देवांगन, विनायक राव नातू, राकेश यादव, अभिलाषा गुप्ता, पार्षद रेशमा सोनकर, उमेश सेन उपस्थित थे।



न्यायालय परिसर में हुआ व्यापक वृक्षारोपण

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छातीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के परिपालन में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर, दुर्ग तथा जिला अधिवक्ता संध परिसर में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में न्यायाधीश, दुर्ग जिले से चयनित स्टेट बार काउंसिल के सदस्य, अधिवक्ता, न्यायालयीन अधिकारी और कर्मचारी ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। सभी ने पौधारोपण कर हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण के लिए अपने दायित्वों के निर्वहन का संदेश दिया। जिसमें आम, नीम, बादाम, जामुन, चमेली सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा जनसामान्य को जागरूक करने हेतु पर्यावरण संरक्षण संबंधी पामप्लेट, बैनर, पोस्टर एवं अन्य प्रचार-प्रसार सामग्री का वितरण किया गया।

भाजपा का 17 मंडलों में पौधारोपण अभियान

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा सभी 17 मंडलों में व्यापक स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया। मंत्री गजेन्द्र यादव ने चंडी शीतला मंडल अंतर्गत आनंद सरोवर मार्ग बघेरा, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने शतरूपा शीतला मंदिर सिविल लाइन्स परिसर, विधायक ललित चंद्राकर ने रिखाली मंडल के एचसीएल कॉलोनी क्षेत्र, महापौर अलका बाघमार ने स्टील कॉलोनी में, जिला महामंत्री दिलीप साहू और विनोद अरोरा ने भी पौधरोपण किए। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि पर्यावरण को संतुलित और हरा-भरा बनाए रखना हम सभी नागरिकों का नैतिक दायित्व है। इस दौरान उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, सरिता मिश्रा, हर्षा चंद्राकर,मनोज सोनी, राजीव पांडेय, मंत्री गिरेश साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा के मंडल स्तर के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।



पौधे लगाना ही नहीं, उन्हें वृक्ष बनाना भी संकल्प है

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरण के उद्देश्य से शहर के प्रमुख मंदिरों में तुलसी के पौधे भेंट कर एक विशेष अभियान चलाया गया। अभियान की शुरुआत साई बाबा मंदिर से की गई, जिसके पश्चात दुर्गा मंदिर, राम मंदिर, शीतला मंदिर, चंडी मंदिर सहित शहर के 11 प्रमुख मंदिरों में तुलसी के पौधे अर्पित कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व से जुड़ी अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। श्री बाकलीवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता एवं संसाधनों के अनुरूप पौधारोपण करना चाहिए तथा उनकी देखभाल का संकल्प भी लेना चाहिए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री राजेंद्र साहू और मुकेश राठी ने कहा कि तुलसी भारतीय परिवारों की परंपरा और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रही है।



कैम्प मण्डल जिला मिलाई ने पौधरोपण का लिया संकल्प

भारतीय जनता पार्टी कैम्प मण्डल अध्यक्ष तरुण सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को तीन दर्शन मंदिर के प्रांगण में पौधरोपण किया गया। इस दौरान उपस्थित जनों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु, हरियाली और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए यह हमारा एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण प्रयास है। वृक्ष न केवल जीवन का आधार हैं, बल्कि पृथ्वी के संतुलन और मानव अस्तित्व के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। इस कार्यक्रम में मिलाई जिला भाजपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, जिले के प्रवक्ता विजय सिंह, मंडल अध्यक्ष तरुण सिंह, भोला साहू, प्रेम कृष्ण साहू, महामंत्री द्वारा लतेल यादव, विजय वर्मा, दुर्गेश चौधरी, सोहन देवांगन, रामेश्वरी सिन्हा, रंजीत गुप्ता, प्रकाश कुर्रे, ममता भारद्वाज, सेवती वर्मा, बीपी सिंह, पार्षद लक्ष्मी साहू, प्रतिभा सिंह चौहान, आशुतोष तिवारी, धर्मेन्द्र दिवाकर, अनुज यादव, शंभु कुशवाहा, अखिलेश सिंह, कुणाल गुप्ता, मृत्युंजय भगत, विनय वर्मा, शुभम साव, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



पर्यावरण दिवस पर बीएसपी के विभिन्न विभागों में पौधारोपण

मिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस पर बीएसपी के विभिन्न विभागों और इकाइयों द्वारा पर्यावरण संरक्षण, जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों व ठेका मजदूरों ने पौधारोपण कर जागरूकता का संदेश दिया। सिंटर प्लांट-3 में नव विकसित पौधरोपण क्षेत्र अमराई का उद्घाटन सीजीएम प्रवीण राय भल्ला व सजीव वर्गीज ने किया। अतिथियों के साथ आईवी रमणा, ए के बेडेकर तथा महाप्रबंधक एस. सी. चांवरिया ने पौधरोपण किया। यहां 100 पौधों का रोपण किया गया गया। ओएचपी, एसपी-2, एलडीसीपी, सीएएम, सीईडी, एस्आईटी, स्टोर्स, पीएलईएम, एचएम, सीआरएम, मैकेनिकल सर्विसेज तथा डब्ल्यूएमडी के कमियों की भागीदारी रही। नंदिनी महामाया खनि एरिया में भी कार्यक्रम : इसके अलावा नंदिनी लाइमस्टोन माईंस के प्रशासनिक भवन परिसर में मुख्य अतिथि वन विभाग की रेंज ऑफिसर अंजु वर्मा तथा छग पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी प्रमोद पांडे की उपस्थिति में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम हुआ । पौधरोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई। किया गया। सीजीएम चिताला श्रीकांत सहित कमियों व अधिकारियों ने पौधे लगाए। खान प्रबंधक श्री संतोष कुमार खांडे, वरिष्ठ अधिकारी सुधाकर जामुलकर, ओमेन टैट, अलंकार भीवगड़े आदि उपस्थित थे।



शिक्षा मंत्री ने प्रथम बटालियन परिसर में किया वृक्षारोपण

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव प्रथम बटालियन, वार्ड-60 दुर्ग में वृक्षारोपण किया। साथ ही अन्य अतिथियों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान मंत्री श्री यादव पुलिस जवानों से संवाद करते हुए पर्यावरण संरक्षण में उनकी सहभागिता और योगदान की सराहना की गई। मंत्री श्री यादव ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रकृति संरक्षण बेहद जरूरी है और पौधारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला अभियान होना चाहिए। इस अवसर पर आईजी अमिषेक शाहिल्य, कमांडेंट राजेश कुकरेजा, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, पार्षद गुड्ड यादव, हिमांशु सिंह, मौसमी तामकार, अमिषेक सिंह, धनंजय ठाकुर, मंगेश बोंकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।



दिशा ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ

मिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था दिशा द्वारा हडको क्षेत्र में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के सदस्यों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटते हरित क्षेत्र मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। ऐसे में पौधरोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। सदस्यों ने पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक रूप से पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। इस दौरान रामानुजन राजु, राजेश धारकर, जवाहर, शांतनु दासगुप्ता, देबाशीष मजूमदार, जीएस संधू, मोहन गिरी, दुष्यंत तिवारी, उत्तम डे, कैसी राव आदि मौजूद थे।



बीएम कॉलेज में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

मिलाई। बीएम महाविद्यालय कोलिहापुरी पुलगांव दुर्ग में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय डायरेक्टर बी साव और एसएम साव, प्राचार्य, शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा फलदार व छायादार पौधों का रोपण किया गया । इसमें आवला, कटहल, बादाम, करंज आदि शामिल हैं। प्राचार्य ने बताया कि आज बहुत ही रफ्तार से पौधों की कटाई हो रही है। इस कारण पर्यावरण प्रदूषित होते जा रहा है और वातावरण में ऑक्सीजन की कमी हो रही है। प्रत्येक व्यक्ति को एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए।



साई महाविद्यालय नंदिनी में लगाए पौधे

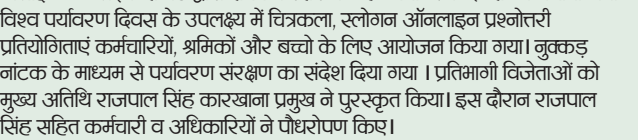
मिलाई। नंदिनी स्थित श्री साई महाविद्यालय के विज्ञान क्लब के सदस्यों ने पौध रोपण के बाद इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी ली। उसके साथ ही विभिन्न मैडिसिनल गार्डन को भी विकसित करने का संकल्प लिया। संस्था की प्रशासनिक अधिकारी कमलेश्वर ने इस दिवस वैज्ञानिक तथ्यों पर भी प्रकाश डाला और विशेष करके ग्लोबल वार्मिंग को बहुत सहज तरीके से समझाया। इस दौरान विजय बारले पूर्व पार्षद, डॉ. पी विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संवाहन विज्ञान क्लब प्रमारी प्रमिला चौहान ने किया। प्राचार्य डॉ. सुनीता अग्रवाल ने इस आयोजन की सराहना की।



जेके लक्ष्मी सीमेंट प्लांट में पौधारोपण

मिलाई। जेके लक्ष्मी सीमेंट द्वारा संयंत्र परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस को मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में चित्रकला, स्तोमन ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं कर्मचारियों, श्रमिकों और बच्चों के लिए आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया । प्रतिभागी विजेताओं को मुख्य अतिथि राजपाल सिंह कारखाना प्रमुख ने पुरस्कृत किया। इस दौरान राजपाल सिंह सहित कर्मचारी व अधिकारियों ने पौधरोपण किए।

मिलाई। जेके लक्ष्मी सीमेंट द्वारा संयंत्र परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस को मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में चित्रकला, स्तोमन ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं कर्मचारियों, श्रमिकों और बच्चों के लिए आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया । प्रतिभागी विजेताओं को मुख्य अतिथि राजपाल सिंह कारखाना प्रमुख ने पुरस्कृत किया। इस दौरान राजपाल सिंह सहित कर्मचारी व अधिकारियों ने पौधरोपण किए।



पौधा लगाकर भूलें नहीं, वृक्ष बनने तक करें संरक्षण : ललित चन्द्राकर



दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पुरई में भारतीय जनता पार्टी, उत्तई मंडल द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक ललित चन्द्राकर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। ललित चन्द्राकर ने शीतला मंदिर प्रांगण और पुरई नर्सरी में बादाम का पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा कार्यकर्ताओं के साथ करंज, नीम सहित अन्य छायादार व फलदार पौधे लगाए। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक पेड़ मां के नाम आह्वान हम सबके लिए मंत्र है। हमें सिर्फ पेड़ लगा देना नहीं है, उसको वृक्ष बनने तक देखरेख करना है। पानी देना है, सुरक्षा देनी है। इस दौरान शीतला राजपूत, चंदु देवांगन, प्रवीण यदु, फतेलाल वर्मा, सरपंच पुरई डोमार सिंह साहू, फलेन्द्र सिंह राजपूत, सुखीत यादव सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

■ पुरई में बादाम का पौधा रोपकर विधायक ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कार्न न्यूज

मिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका राजयोगीनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हमारा श्रेष्ठ और सबसे बड़ा परमधर्म है। बीके आशा बहन ने कहा कि हम सभी अपने धन का निवेश बैंक, म्यूचुअल फंड और पोस्ट ऑफिस में करते हैं लेकिन आज दुनिया की अवस्था को देखते हुए हर एक को पर्यावरण में निवेश करना आवश्यक है, पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पेड़ लगाकर उसे सुरक्षित करें तथा पानी डालें तभी हमारा भविष्य और धरती सुरक्षित होगी।



एसी, कुलर लगाना हल नहीं : ऐसी और कुलर लगाना यह गर्मी से बचने का हल नहीं है हमें वृक्षारोपण करके पेड़ों का लगाना बहुत-बहुत आवश्यक है। ठीक उसी प्रकार वायुमंडल को भी श्रेष्ठ बनने के लिए मन में शुद्ध और श्रेष्ठ संकल्प करना भी आवश्यक है जिससे प्रकृति हमारी सहयोगी बनेगी।

प्रकृति रक्षक हुए सम्मानित इस अवसर पर जिले के 65 स्कूलों को लेकर उनके परिसर में बच्चों के हाथों से उनकी जिम्मेदारी देते हुए लगभग 5000 पौधे लगाकर उन्हें वृक्ष बनाने वाले नरेंद्र सिंह पटेल जिला प्रमारी पतंजलि योग समिति का सम्मान किया गया। पर्यावरण संरक्षण, पशु कल्याण एवं पक्षी संरक्षण के क्षेत्र में गणेशराम सुथार का सम्मान किया गया। गणेशराम पक्षी संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से एक विशेष पक्षी आवास टॉवर चिड़ियाघर का निर्माण कराया है। इस बहु-स्तरीय संरचना में पक्षियों के निवास हेतु अनेक सुरक्षित घोंसला-स्थल (नेस्टिंग होल्स) बनाए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में पक्षियों द्वारा निवास किया जा रहा है। वर्तमान में इस व्यवस्था से लगभग 700 से अधिक पक्षियों को सुरक्षित आश्रय है। साथ ही बीमार, घायल, दुर्दुर्नावास और असहाय पशुओं के बचाव एवं उपचार के लिए कार्य करने वाली संस्था छातीसगढ़ एनिमल सेवियर, एनिमल बर्थ कंट्रोल का संवाहन के लिए डॉ अंजली सिंह को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डिवाइज नूप के बच्चों द्वारा वर्तमान स्थिति पर्यावरण की सुरक्षा पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। मिलाई इस्पात संयंत्र के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एच आर पवन कुमार ने ब्रह्माकुमारी संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में डॉ राखी, डॉ अंजली, डॉ नरेंद्र पटेल, स्वच्छता ही सेवा समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद साहू,वरिष्ठ प्रकर अरविंद सिंह जी एवं बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

हेल्थ टिप्स

विटामिन पैच का बढ़ रहा चलन, जानिए सब कुछ



आजकल बाजार में मिलावटी खाद्य पदार्थों की भरमार है। फल, सब्जियां, दूध, अंडे और अनाज भी इससे अछूते नहीं हैं। सभी में मिलावट और रसायन शामिल हैं, जो शरीर में जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स की पूर्ति ही नहीं होने देते। इस कारण आप और आपके परिवार के अन्य सदस्य बार-बार बीमार पड़ते रहते हैं। बच्चों की नजर कम उम्र में ही कमजोर हो रही है। एनीमिया, थकान, कमजोरी, हड्डियों की समस्याएं, त्वचा रोग और तंत्रिका संबंधी विकार होने लगे हैं। आप डॉक्टर से बात करती हैं। वह शरीर में पोषक तत्वों की कमी को इसका कारण बताते हैं और आपको सप्लीमेंट लेने की सलाह देते हैं। लेकिन बच्चों और आपको सप्लीमेंट लेना पसंद नहीं। ऐसे में आप विटामिन पैच का उपयोग कर सकती हैं।

बेहतर विकल्प

विटामिन पैच शरीर में विटामिन, कैल्शियम और अन्य मिनरल पहुंचाने का बेहतर माध्यम है। यदि आपके शरीर में विटामिन की कमी जांची गई है और आप डाइट से इस कमी को पूरी नहीं कर पा रही हैं, यानी कि आपका शरीर खाने से पर्याप्त मात्रा में विटामिन अवशोषित नहीं कर पा रहा है तो आपको विटामिन सप्लीमेंट लेने की सलाह दी जाती है। लेकिन सप्लीमेंट्स आपको रास नहीं आते। हफ्ते भर आप इसका सेवन करती हैं और फिर छोड़ देती हैं, जिस वजह से यह कमी ऐसे ही बनी रहती है। ऐसे में आप विटामिन पैच का इस्तेमाल करें। विटामिन पैच के जरिए डाइट में मामूली बदलाव करने के साथ ही शरीर में पोषक तत्वों की पूर्ति की जा सकती है।

कैसे करता है काम

विटामिन पैच आपको आवश्यक पोषक



तत्व देते हैं, लेकिन प्रश्न है कि यह काम कैसे करते हैं? असल में, विटामिन पैच एक खास मैकेनिज्म के जरिए काम करते हैं, जिसे ट्रांसडर्मल ड्राग डिलीवरी सिस्टम कहा जाता है। यह एक तरह का ट्रांसडर्मल पैच यानी त्वचा के माध्यम से पोषण पहुंचाने वाला सप्लीमेंट है, जिन्हें त्वचा पर लगाने के लिए ही तैयार किया गया है। इन पैचेज द्वारा नैनो टेक्नोलॉजी के माध्यम से विटामिन त्वचा के छिद्रों के जरिए शरीर में पहुंचाए जाते हैं। यह दिखने में बैंडेज जैसे होते हैं। इस पैच के चिपकने वाली परत पर विटामिन्स, मिनरल्स और हर्बल तत्व लगे रहते हैं। जब यह परत त्वचा पर चिपक जाती है तो शरीर की गर्मी से सक्रिय होकर पोषक तत्वों का स्राव करने लगती है। इन तत्वों को त्वचा अवशोषित करती है और शरीर की सबसे छोटी रक्त नलिकाओं तक पहुंचा देती है। जब इनका संचरण बड़ी रक्त नलिकाओं तक हो जाता है तो इन्हें शरीर के उस हिस्से में पहुंचा दिया जाता है, जहां इनकी जरूरत है। इस प्रकार शरीर के उस हिस्से में विटामिन्स और मिनरल्स की कमी की भरपाई कर दी जाती है और वह हिस्सा स्वस्थ हो जाता है।

बच्चों को पसंद



जिन बच्चों में किसी विशेष विटामिन की कमी है, उनके लिए विटामिन पैच एक अच्छा विकल्प हो सकता है। असल में बच्चे गोली या सिरप लेने में बहुत आनाकानी करते हैं। आप जब जबरदस्ती उन्हें गोली या सिरप देती हैं तो वे उल्टी कर देते हैं। इस सूरत में यह उनके लिए विशेष रूप से एक प्रभावी उपाय साबित हो सकता है। इससे उनमें नियंत्रित मात्रा में पोषण आपूर्ति होती रहेगी। लेकिन ध्यान रखना होगा कि बच्चों की त्वचा पतली होती है, इसलिए पैच में लगे चिपकने वाले पदार्थ बच्चों को एलर्जी न करें। बच्चों पर विटामिन पैच लगाने समय सतर्कता बर्तें। आप इसे त्वचा के ऐसे हिस्से पर लगाएं, जहां से बच्चा इसे बार-बार छू न पाए और मुंह में न लो।

आपका दिल साथ है तो सारा जहान आपका

आपके दिल की सेहत का आईना होते है शरीर में होने वाले बदलाव, इन्हें नजरअंदाज कतई न करें

दिल हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, जो लगातार रक्त पंप करके पूरे शरीर को ऑक्सीजन और पोषण पहुंचाता है। लेकिन बदलती जीवनशैली, तनाव, अनियमित खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण हृदय रोगों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

चिंता की बात यह है कि कई बार दिल से जुड़ी समस्याएं शुरुआती चरण में छोटे-छोटे संकेतों के रूप में सामने आती हैं, जिन्हें लोग सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि इन लक्षणों के अनुसार यदि इन लक्षणों को समय रहते पहचान लिया जाए तो गंभीर हृदय रोगों और हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्थितियों से बचा जा सकता है। अगर आपके शरीर में भी कुछ असामान्य बदलाव दिखाई दे रहे हैं, तो सतर्क हो जाना जरूरी है। आइए जानते हैं उन 5 संकेतों के बारे में जो दिल की बीमारी की ओर इशारा कर सकते हैं।

सीने में दर्द

सीने में दर्द, जकड़न, भारीपन या दबाव महसूस होना हृदय रोग का सबसे आम संकेत माना जाता है। यह दर्द कुछ मिनटों तक रह सकता है या बार-बार हो सकता है। कई बार यह दर्द कंधे, गदन, पीठ या बांह तक भी फैल सकता है। यदि ऐसा बार-बार हो रहा है



तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

सांस फूलना

सीढ़ियां चढ़ते समय अत्यधिक थकान महसूस हो या सांस फूले तो यह दिल की कमजोरी का संकेत हो सकता है। जब हृदय ठीक से रक्त पंप नहीं कर पाता, तो फेफड़ों पर दबाव बढ़ जाता है और सांस लेने में परेशानी होने लगती है।

अत्यधिक थकान और कमजोरी

आराम करने के बावजूद लगातार थकान महसूस हो रही है, तो इसे सामान्य कमजोरी समझकर नजरअंदाज न करें। हृदय की कार्यक्षमता कम होने पर शरीर के अंगों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती, जिससे थकान और ऊर्जा की कमी महसूस हो सकती है।



अनियमित या तेज धड़कन

दिल की धड़कन का अचानक तेज होना, बहुत धीमा होना हृदय संबंधी समस्या का संकेत हो सकता है। यदि यह स्थिति बार-बार हो रही है, तो मेडिकल जांच कराना जरूरी है।

पैरों, टखनों या पंजों में सूजन

दिल की कार्यक्षमता प्रभावित होने पर शरीर में तरल पदार्थ जमा होने लगते हैं, जिससे पैरों, टखनों और पंजों



में सूजन आ सकती है। यह लक्षण हार्ट फेलियर जैसी गंभीर स्थिति का शुरुआती संकेत भी हो सकता है।

दिल को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें?

संतुलित और पौष्टिक आहार लें। नियमित व्यायाम करें। धूम्रपान और तंबाकू से दूर रहें। तनाव को नियंत्रित करें। ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच कराएं। पर्याप्त नींद लें।

इस बात का खास ध्यान रखें

हमेशा याद रखें कि दिल की बीमारी अक्सर अचानक नहीं होती, बल्कि शरीर पहले से कई संकेत देता है। यदि आपको सीने में दर्द, सांस फूलना, अत्यधिक थकान, अनियमित धड़कन या सूजन जैसे लक्षण दिखाई दें, तो इन्हें नजरअंदाज न करें और समय रहते डॉक्टर की सलाह लें। समय पर पहचान और सही इलाज से गंभीर हृदय रोगों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

पूजा के तुरंत बाद हाथ नहीं धोने चाहिए,जानें क्या कहते हैं शास्त्र

पूजा पाठ करने के बाद कई सारे काम ऐसे होते हैं, जिन्हें हमें नहीं करना चाहिए। इससे हमारे घर की बरकत और हमारी पूजा का फल कम हो जाता है।

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ को एक पवित्र क्रिया मानी जाती है। इसलिए हमारे घरों और मंदिरों में रोजाना पूजा की जाती है। इसके लिए हम कई सारी सामग्री भी लेकर आते हैं। जिसे अर्पित करके हम पूजा को संपन्न करते हैं। लेकिन कई बार हम गलती से कुछ ऐसे काम को कर लेते हैं, जिसे करने की मनाही हमारे शास्त्रों में भी होती है। पूजा के तुरंत बाद हाथ नहीं धोने चाहिए। यह हमारे घरों में अक्सर मना किया जाता है। आर्टिकल में बताते हैं ऐसा करने से क्या होता है।

पूजा करते समय जोड़े जाते हैं हाथ

जब भी हम पूजा करते हैं, तो भगवान के सामने अपने हाथ जरूर जोड़ते हैं। ऐसे में हम अपनी पूजा के फल को भगवान से मांगते हैं। इससे हमारे हाथों में एक ऊर्जा आती है, जिससे हमारे अंदर उस समय सकारात्मक ऊर्जा होती है। ऐसे में हमारे बड़े कहते हैं कि हाथों को पूजा के बाद अपने पूरे शरीर में लगाया



चाहिए। इससे आपको लाभ मिलता है। इसलिए पूजा के तुरंत बाद पानी से हाथ साफ नहीं करने चाहिए।

श्रद्धा और आस्था का होता है भाव

शास्त्रों के अनुसार, पूजा के बाद थोड़ी देर तक उसकी पवित्रता को बनाए रखने के लिए आपको हाथों को पानी से नहीं धोना चाहिए। इससे आपके द्वारा की गई पूजा अधूरी रह जाती है। साथ ही, इसका फल आपको पूर्ण रूप से नहीं मिलता है। इसलिए आपको पूजा के तुरंत बाद हाथों को कभी नहीं धोना चाहिए।

तिलक लगाने के बाद भी हाथों को न धोएं

कुछ लोग पूजा के दौरान भगवान को टीका लगाने के बाद अपने माथे पर चंदन या रोली का टीका लगाते हैं। इसे आराधना का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में आपके हाथों में ऊर्जा आती है। ऐसे में आपको तुरंत बाद हाथों को पानी से साफ नहीं करना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में निर्णायक, मंच व पदक प्रभारी से लेकर जोन प्रभारी तक छत्तीसगढ़ के

भिलाई। अहमदाबाद में 4 से 8 जून तक जारी प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि महत्वपूर्ण दायित्व निभा रहे हैं। इस विश्व स्तरीय आयोजन में योगासन भारत छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष और भिलाई निवासी गोस्वामी जयंत विष्णु भारती को मुख्य मंच का प्रभारी नियुक्त किया गया है। जयंत इससे पहले सितंबर-25 में भिलाई में भिलाई में सम्पन्न 6 वीं सीनियर और सीनियर 'ए' राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में महत्वपूर्ण प्रबंधकीय दायित्व निभा चुके हैं। इसी तरह अहमदाबाद में जारी प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप में निर्णायक की भूमिका निभा रहे देश के चुनिंदा योग विशेषज्ञों में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ योगासन विशेषज्ञ धमतरी निवासी भोजेंद्र साहू भी शामिल हैं। गत वर्ष भिलाई में हुई राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता और अल्मोड़ा उत्तराखंड में हुए 38वें राष्ट्रीय खेल में योगासन में भोजेंद्र निर्णायक का दायित्व निभा चुके हैं। एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में पैरा योगासन के प्रभारी शैलेंद्र ऋषि को इस विश्व चैंपियनशिप में महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किया



शैलेंद्र ऋषि



डॉ. मेजर सिंह



जयंत विष्णु भारती



भोजेंद्र साहू

गया है। यह सम्मान उनके समर्पण, कार्यक्षमता एवं छत्तीसगढ़ द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए उत्कृष्ट योगदान की स्वाभाविक पहचान है। सरगुजा निवासी और कृषि विस्तारक अधिकारी शैलेंद्र ऋषि को पैरा योगासन के लिए पूर्वी जोन का प्रभारी बनाया गया है। योगासन भारत छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष गोस्वामी जयंत विष्णु भारती ने बताया कि निर्णायक की भूमिका निभा रहे देश के चुनिंदा योग विशेषज्ञों में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ योगासन विशेषज्ञ धमतरी निवासी भोजेंद्र साहू भी शामिल हैं। गत वर्ष भिलाई में हुई राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता और अल्मोड़ा उत्तराखंड में हुए 38वें राष्ट्रीय खेल में योगासन में भोजेंद्र निर्णायक का दायित्व निभा चुके हैं। एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में पैरा योगासन के प्रभारी शैलेंद्र ऋषि को इस विश्व चैंपियनशिप में महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किया

कार्नर न्यूज

आज विश्व कीट दिवस, कीट-पतंगों पर नियंत्रण जरूरी

घर में चाहिए खुशहाली तो हमेशा ध्यान रखें पेस्ट कंट्रोल मैनेजमेंट का, मिलेगा सुरक्षित वातावरण

घर के लिए पेस्ट कंट्रोल सुरक्षित, गंधहीन और पर्यावरण-अनुकूल होना चाहिए। यह सुनिश्चित करता है कि आपके परिवार (और पालतू जानवरों) के स्वास्थ्य को कोई नुकसान न पहुंचे। इसे साल में कम से कम 2 से 3 बार जरूर करवाना चाहिए ताकि कॉकरोच, छिपकली, चूहे और मच्छरों का प्रकोप न बढ़े। मॉडर्न पेस्ट कंट्रोल तकनीक की सुविधा इतनी ज्यादा उन्नत हो चुकी है कि अब किचन का एक भी सामान उठाए बिना ही पेस्ट कंट्रोल प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। कीट नियंत्रण के प्रति जनजागरुकता के लिहाज से हर साल 6 जून को विश्व कीट दिवस मनाया जाता है।

इस संदर्भ में पेस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया पुणे के छत्तीसगढ़ प्रमुख मोहम्मद मजहर नदीम बताते हैं कि 6 जून को विश्व कीट दिवस के साथ-साथ हर साल 20 जून तक विश्व कीट दिवस पखवाड़ा भी मनाया जाता है।

नदीम बताते हैं कि निजी तौर पर अपने घर के लिए पेस्ट कंट्रोल में कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। जिससे आप चिंतामुक्त होकर अपने घरवालों को सुरक्षित वातावरण दे सकें।



पेस्ट कंट्रोल छोटे कीट-पतंगों को घर से दूर रखने की एक रसायनिक प्रक्रिया है, जो लिक्विड और जैल फॉर्म में होती है। इंडियन पेस्ट कंट्रोल एसोसिएशन के अंतर्गत पूरे देश में पेस्ट कंट्रोल एजेंसीज हैं। ध्यान रखें लायसेंसधारी पेस्ट कंट्रोल कंपनी की ही सेवा लें, जो वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) के स्टैंडर्ड कैमिकल से पेस्ट कंट्रोल करते हैं।

डब्ल्यूएचओ के स्टैंडर्ड कैमिकल का फायदा ये है कि ये न तो पाउडर फॉर्म में इस्तेमाल किया जाता है, न ही स्प्रे फॉर्म में, इसलिए इससे सेहत को कोई

नुकसान नहीं पहुंचता। एक विशेष प्रकार के जैल से जगह-जगह निशान लगाए जाते हैं।

कॉकरोच, मच्छर जैसे इसेक्ट कभी भी मरते नहीं हैं, इन पर नियंत्रण किया जाता है। इन्हें घर से दूर रखने और घर में इनकी संख्या को कम करने के लिए किया जाने वाला पेस्ट कंट्रोल तीन रूपों में होता है- एक कॉकरोच की रोकथाम के लिए, दूसरा दीमक पर नियंत्रण बनाने के लिए और तीसरा सामान्य कीटों से सुरक्षा के लिए (जनरल डिसइंफेक्शन ट्रीटमेंट) को अपनाएं। नए बने घर में दीमक नियंत्रण पेस्ट कंट्रोल करवाना चाहिए, जो 5 साल की सुरक्षा की गारंटी देता है, वहीं पहले से रह रहे घर में की गई पेस्ट कंट्रोल की गारंटी 3 साल की होती है। पेस्ट कंट्रोल साल में तीन बार करवाना चाहिए, जिसकी प्रक्रिया सिर्फ आधे घंटे की होती है। एक बार के पेस्ट कंट्रोल का खर्च लगभग 750 रुपए से लेकर 800 रुपए तक आता है, जिसका प्रभाव तीन महीने तक रहता है। और सबसे अच्छी बात ये कि इस प्रक्रिया के बाद किसी तरह की कोई दुर्गंध नहीं आती। मात्र एक घंटे में पेस्ट कंट्रोल प्रक्रिया पूरी हो जाती है, वह भी बिना कमरे को खाली किए। किचन का एक भी सामान



हटाए बिना आप किचन को कीट-पतंगों से फ्री कर सकते हैं।

पूरे घर में एक साथ पेस्ट कंट्रोल किया जाता है। इसमें किचन और बाथरूम में तो पेस्ट कंट्रोल होना ही चाहिए। आप नए घर में शिफ्ट करने वाले हैं, तो 4-5 महीने पहले पुराने घर में ही पेस्ट कंट्रोल करवा लें, ताकि लकड़ी के फर्नीचर या अन्य सामानों में मौजूद कीट खत्म हो जाएं और नए घर में डेरा न

डाल पाएं। दीमक मिट्टी से आती है, जो फर्नीचर और वॉर्डरोब जैसे लकड़ी के सामानों को नुकसान पहुंचाती है, जबकि कॉकरोच वगैरह गंदगी से पनपते हैं। अगर घर में दीमक है, तो एक बार दीमक पेस्ट कंट्रोल करवा लें, उसके बाद तीन साल तक दीमक नहीं लगेगी। अगर कॉकरोच पेस्ट कंट्रोल के लिए आपको साल में तीन बार यह प्रक्रिया करवानी होगी।



राष्ट्रीय यूथ म्यू थाई में छत्तीसगढ़ ने जीते 07 स्वर्ण सहित 17 पदक

रायपुर। यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इण्डिया (यूपएमआई) के तत्वावधान में म्यू थाई एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड द्वारा आयोजित 7वीं यूपएमआई राष्ट्रीय यूथ म्यू थाई चैंपियनशिप का समापन 04 जून इन्दिरा गाँधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, हल्द्वानी (उत्तराखंड) में हुआ। एक जून से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का शानदार प्रदर्शन रहा। छत्तीसगढ़ी खिलाड़ियों ने इस चैंपियनशिप में 07 स्वर्ण, 04 रजत, 06 कांस्य सहित कुल 17 पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। यूथ राष्ट्रीय म्यूथाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक एवं अंकों के आधार पर मेघालय ओवरऑल चैंपियन, असम द्वितीय, उत्तराखंड एवं उत्तरप्रदेश तृतीय स्थान पर रहे।

चैंपियनशिप के अंतिम दिन फाइनल में छत्तीसगढ़ की समिधा अग्रवाल (रायपुर) ने मिजोरम की खिलाड़ी को हराकर, संजीत मोहन्ती (रायपुर) को नो कॉन्टेस्ट गोल्ड घोषित होने पर, काप्सा गुप्ता (दिल्लीराजहरा, बालोद) ने बिहार की खिलाड़ी को हराकर, साधिके दुबे और हिमानी डडसेना (दोनों बालोद) ने वाये कू एकल इवेन्ट में अपने अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर छत्तीसगढ़ के स्वर्ण पदकों की संख्या 07 पहुंचाई।

मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट ने छत्तीसगढ़ से अंतरराष्ट्रीय निर्णायकों में हरबंश कौर, प्रणव शंकर साहू (दोनों दल्लीराजहरा, बालोद), टिकेश्वरी साहू (खेल एवं युवा कल्याण, दंतवाड़ा, दक्षिण बस्तर) और न्यू रेफरी वाणी (दल्लीराजहरा, बालोद) को डिप्लोमा स्मृति चिन्ह, विशेष उपहार और निर्णायक भत्ता प्रदान किया तथा कोच जय कुमार (रायपुर) एवं राज्य प्रतिनिधि के रूप में अमन यादव (रायपुर) को भी मंचस्थ अतिथियों ने सम्मानित किया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में छत्तीसगढ़ म्यूथाई संघ के महासचिव अनीस मेमन (फेडरेशन के संयुक्त सचिव) ने मंच संचालन किया। मंच पर राज्य म्यूथाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू, महिला प्रतिनिधि नजमा परवीन कुरेशी (कॉंकिर) और प्रभा साहू (धमतरी) भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के पदक विजेता

स्वर्ण पदक में युवराज सिंह, जगदलपुर, बस्तर (अंडर-18,- 86किग्रा), तनुश्री मीणा, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-14,- 34किग्रा), काप्सा गुप्ता, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-16,- 45किग्रा), समिधा अग्रवाल, रायपुर (अंडर-18,- 45किग्रा), संजीत मोहन्ती, रायपुर (अंडर-10,- 30किग्रा) नो कॉन्टेस्ट गोल्ड, साधिके दुबे, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-18,- 55किग्रा, वाये कू इवेन्ट), हिमानी डडसेना, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-18,- 45किग्रा, वाये कू इवेन्ट) शामिल हैं। रजत पदक विजेताओं में बलजीत कौर, रायपुर (अंडर-14,- 44किग्रा), सिद्धि निर्मलकर, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-14,- 50 किग्रा), नित्यम कुमार साहू, रायपुर (अंडर-10,- 30किग्रा), आदित्य झा, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-18,- 75किग्रा) और कांस्य पदक विजेताओं में दिवंकल टांडिया, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-12,- 32किग्रा), वर्षा निर्मलकर, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-16,- 48किग्रा), छाया नाग, दंतवाड़ा, दक्षिण बस्तर (अंडर-16,- 40किग्रा), आदित्य गुप्ता, रायपुर (अंडर-14,- 48किग्रा), सिमरन सिंह, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-18,- 48किग्रा), आर्यामन सहगल, रायपुर (अंडर-18,- 63.5किग्रा) शामिल हैं।

क्वार्टर फाइनल तक पहुँचे पदक विहीन खिलाड़ी

चैम्पियनशिप में क्वार्टर फाइनल तक पहुँचे छत्तीसगढ़ के पदक विहीन खिलाड़ियों में नुरवी मिलिन्द, रायपुर (अंडर-09,- 24किग्रा), ऐश्विनी वर्मा, रायपुर (अंडर-12,- 30किग्रा), मोक्ष पटेल, रायपुर (अंडर-12,- 34किग्रा), सूर्यान्शा दुबे, रायपुर (अंडर-12,- 40किग्रा), कुशाग्र साहू, रायपुर (अंडर-14,- 48किग्रा), सोमन साहू, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-18,- 42किग्रा), मिनाली भंसारी, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-18,- 45किग्रा), हर्ष कुमार, दल्लीराजहरा, बालोद (अंडर-18,- 54किग्रा), अर्चित केशवानी, रायपुर (अंडर-16,- 57किग्रा) और श्रेयांश मित्तल, रायपुर (अंडर-16, 44किग्रा) शामिल हैं।



फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

हैरी पॉटर दूसरे सीजन में नहीं दिखाई देंगी जिनी, परिवार ने दिया बयान

हैरी पॉटर टीवी शो रिलीज होने से पहले इससे जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। सुनने में आया है कि इसके पहले सीजन में जिनी वीज्ली का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ग्रेसी कोचरेन ने शो के दूसरे सीजन की शूटिंग से पहले ही शो को अलविदा कह दिया है। 'हैरी पॉटर' टीवी सीरीज का पहला सीजन इस साल के अंत में रिलीज होगा। अब इस शो को लेकर एक बड़ा अपडेट आ रहा है। शो के मेकर्स एक बार फिर से जिनी वीज्ली का किरदार निभाने के लिए अभिनेत्री की तलाश में हैं। वजह यह है कि इसमें जिनी का रोल करने वाली बाल कलाकार ग्रेसी कोचरेन ने शो में आगे काम करने से मना कर दिया है। हैरी पॉटर टीवी सीरीज के पहले सीजन में जिनी वीज्ली का किरदार ग्रेसी कोचरेन ने निभाया था। अभी इसका पहला सीजन रिलीज भी नहीं हुआ और ग्रेसी ने सीरीज छोड़ दी है। वैरायटी की रिपोर्ट के अनुसार अब मेकर्स ने नई जिनी की तलाश शुरू कर दी है। एक्ट्रेस के परिवार ने एक आधिकारिक बयान जारी करके उनके शो से बाहर होने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा, 'अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण, ग्रेसी ने एचबीओ हैरी पॉटर सीरीज में पहले सीजन के बाद जिनी वीज्ली की भूमिका छोड़ने का कठिन निर्णय लिया है।' अपने आधिकारिक बयान में ग्रेसी के परिवार ने बताया कि उनका सफर शो के दौरान शानदार रहा। मगर उनके शो छोड़ने का कोई ठोस कारण अब तक नहीं बताया गया। इसके साथ ही परिवार ने कहा, 'हैरी पॉटर की दुनिया का हिस्सा बनकर उनका समय वास्तव में शानदार रहा है, और वह लुसी बेवन और पूरी प्रोडक्शन टीम को का इस अनुभव के लिए शुक्रिया करती हैं। ग्रेसी अपने भविष्य के अवसरों को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

टॉलीवुड

जिय से मिले निर्देशक बालाजी, आभार जताया ‘करुण्णु’ के लिए

निर्देशक आरजे बालाजी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म ‘करुण्णु’ की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। अब हाल ही में आरजे बालाजी ने तमिलनाडु के नवोदित मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय (थलापति विजय) से मुलाकात की है। बालाजी ने इस मुलाकात की तस्वीरें और सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। उन्होंने इस मुलाकात और अनुभव को अविश्वसनीय बताया है। अपने एक्स अकाउंट पर विजय से मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए आरजे बालाजी ने लिखा, 'उस शख्स के साथ जिसने करुण्णु की शुरुआत की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में उनसे मिलना अविश्वसनीय लग रहा है। वही प्यार, अपनापन, दयालुता और शांति। विजय सर हर चीज के लिए धन्यवाद।' इससे पहले आरजे बालाजी ने पिछले दिनों एक इंटरव्यू में ये खुलासा किया था कि उन्होंने 'करुण्णु' के लिए पहले अभिनेता विजय को ही चुना था और उन्हें रोल ऑफर किया था। बालाजी के अनुसार, यह प्रोजेक्ट शुरू में विजय की ध्यान में रखकर बनाया गया था और अभिनेता के सिनेमा से दूर होकर पूरी तरह राजनीति पर ध्यान केंद्रित करने से पहले इस पर चर्चा हुई थी। लेकिन अंततः विजय ने इसे न करने का फैसला किया, जिसका आरजे बालाजी ने सम्मान किया। इसके बाद सूर्या फिल्म का हिस्सा बने। आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित 'करुण्णु' में सूर्या के साथ तृषा कृष्णन प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। यह फिल्म वेदाई करुण्णु की कहानी है, जो एक संरक्षक देवता हैं और भ्रष्टाचार और अन्याय से लड़ने के लिए वकील का रूप धारण करते हैं।

भोजपुरी

'बहन हो तो ऐसी' का प्रीमियर आज होगा ,पारिवारिक ड्रामे में है ट्विस्ट

संजना पांडे की फिल्म 'बहन हो तो ऐसी' का वर्ल्ड प्रीमियर टेलिविजन पर 7 जून को होने जा रहा है। 'बहन हो तो ऐसी' एक पारिवारिक भोजपुरी ड्रामा फिल्म है जो दो बहनों के अटूट रिश्ते, त्याग और पारिवारिक मूल्यों पर आधारित है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'भोजपुरी फिल्म बहन हो तो ऐसी का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 6 जून, शनिवार, शाम 6:30 बजे और 7 जून, रविवार, सुबह 9:30 बजे होगा।' बता दें कि 'बहन हो तो ऐसी' एक पारिवारिक भोजपुरी ड्रामा फिल्म है जो दो बहनों के अटूट रिश्ते, त्याग और पारिवारिक मूल्यों पर आधारित है। इस फिल्म में संजना पांडे और सपना चौहान लीड रोल में हैं। इसके अलावा, फिल्म में प्रशांत सिंह, अथर्व नाहर, ललित उपाध्याय, गोपाल चौहान, प्रिया दीक्षित, अविनाश शाही, निशा सिंह, आकृति सिंह, कंचन मिश्रा, निशा तिवारी जैसे मझे हुए कलाकार नजर आएंगे। अजीत कुमार द्वारा निर्देशित फिल्म का लेखन अरविंद तिवारी ने किया है, जबकि संगीत ओम झा ने दिया है। संदीप सिंह, अथर्व सिंह मिलकर फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह उन दर्शकों के लिए बेहतरीन फिल्म है, जो पारिवारिक कहानियों में दिलचस्पी रखते हैं। एक्ट्रेस संजना पांडे की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय सिंगर समर्थ सिंह के साथ 'लाल चुनरिया वाली से ' से की थी। यह उनकी डेब्यू फिल्म थी, जिसमें उनके काम को खूब सराहा गया।

फूलों की बहार

मशहूर डिजाइनर जेरेमी स्कॉट अपनी कलेक्शन की थीम को शाब्दिक रूप से लेने के लिए जाने जाते हैं । अगर आप भूल गए हों, तो पिछले सीजन में मॉडल्स ने रनवे पर सचमुच का कचरा पहना था और मिलान में उनका शो भी इसका कोई अपवाद नहीं था। बहार का मौसम दिखाने डिजाइनर फूलों से प्रेरित थे— और ये सारे फूल असल ज़िंदगी के थे। हालांकि शो की शुरुआत एक पंक-ट्विस्ट के साथ हुई, लेकिन आखिरी 18 लुक्स ने तेजी से माहौल बदल दिया, जिसमें बड़े-बड़े फूल, तितलियाँ और खिलती हुई प्रकृति को अपनाया गया।

सनस्क्रीन लगाने के बावजूद टैनिंग का असर, पहचानें गलतियां

जिस तरह से गर्मी का असर लोगों की सेहत पर होता है, ठीक उसी तरह से गर्मी और तेज धूप लोगों की त्वचा पर भी प्रभाव डालती है। इस मौसम में सूरज की हानिकारक किरणें लोगों के चेहरे के साथ-साथ हाथ और पैरों को भी काला कर देती हैं। ऐसे में इससे बचने के लिए हर कोई सनस्क्रीन का इस्तेमाल करता है। सनस्क्रीन का सही इस्तेमाल आपकी स्किन को टैनिंग से बचाता है। पर, बहुत से लोगों को ये शिकायत रहती है कि सनस्क्रीन के इस्तेमाल के बावजूद उनकी त्वचा पर टैनिंग हो रही है। ऐसा कुछ गलतियों की वजह से भी हो सकता है। हम आपको इसी बारे में बताएंगे, ताकि आप भी सनस्क्रीन का सही से इस्तेमाल करें, जिससे आपकी स्किन गर्मी के मौसम में भी खिली-खिली रहे। यदि आपके हाथ-पैर काले पड़ रहे हैं, लेकिन चेहरा ठीक है तो ध्यान दें कि कहीं आप हाथ-पैर पर तो सनस्क्रीन लगाना भूल नहीं रहे हैं। यदि हां तो ये एक बड़ी गलती है। हाथ-पैरों पर भी सनस्क्रीन का इस्तेमाल उतना ही जरूरी है, जितना कि चेहरे पर। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपके हाथ-पैर अपने आप काले पड़ने लगेंगे। आपके लिए ये जानना बेहद जरूरी है कि सनस्क्रीन का एसपीएफ कितना है ? 40 एसपीएफ से कम वाली सनस्क्रीन को लगाना न लगाना बराबर होता है। इसलिए हमेशा 40 से ज्यादा एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। ये आपकी त्वचा पर एक परत बना देती है, जिससे स्किन धूप की हानिकारक किरणों से बची रहती है। ध्यान रखें कि यदि आपको घर से कहीं बाहर जाना है तो सनस्क्रीन का इस्तेमाल कम से कम 20 मिनट पहले करें। सनस्क्रीन को त्वचा पर सेट होने के लिए थोड़े समय की जरूरत होती है। ऐसे में बाहर जाने से कम



से कम 20 मिनट पहले स्किन पर सनस्क्रीन अप्लाई करें। सनस्क्रीन को सिर्फ एक बार लगाकर नहीं छोड़ देना है। यदि आप ऐसी जगह रहते हैं, जहां भीषण धूप होती है तो बार-बार सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। इसका इस्तेमाल आपको हर दो से तीन घंटे में करना है। क्योंकि पसीने की वजह से सनस्क्रीन साफ हो जाती है।

नहाते समय कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियां, जो त्वचा को पहुंचाती हैं नुकसान

गर्मी के मौसम में राहत पाने का सबसे अच्छा तरीका है नहाना। यही वजह है कि इस मौसम में तो लोग दो से तीन बार नहा लेते हैं। इस मौसम में बार-बार नहाना अच्छा माना जाता है, क्योंकि इससे शरीर को राहत मिलती है और पसीने की बदबू से भी छुटकारा मिलता है।

गर्मी में भी गर्म पानी का इस्तेमाल

बहुत से लोग इस भीषण गर्मी के मौसम में भी गर्म पानी से नहाते हैं। जबकि गर्मी पानी से तो ठंड के मौसम में भी नहीं नहाना चाहिए। गर्म पानी त्वचा के प्राकृतिक तेल को खत्म कर देता है, क्योंकि इससे शरीर को राहत मिलती है और पसीने की बदबू से भी छुटकारा मिलता है।

देर तक नहाना

गर्मी के मौसम में शॉवर चलाकर नहाना हर किसी को अच्छा लगता है। उसके सामने से तो हटने का मन ही नहीं करता। यदि आप भी देर तक नहाते रहते हैं, तो आपको भी संभलने की जरूरत है।



ज्यादा देर तक नहाने से त्वचा की नमी खत्म होने लगती है। 10 मिनट नहाने के लिए काफी पर्याप्त माने जाते हैं।

ज्यादा साबुन घिसना

नहाते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि ज्यादा साबुन घिसने से कभी भी त्वचा की सफाई नहीं होती। एक बार साबुन लगाकर आपको हाथ से ही त्वचा की गंदगी को साफ करना होगा। ज्यादा साबुन लगाने से भी स्किन डैमेज होने लगती है, इसलिए ऐसा कभी न करें। ज्यादातर लोग नहाते समय खुशबू वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं, क्योंकि लोगों को यही ज्यादा पसंद आते हैं। जिन प्रोडक्ट में खुशबू आती है, उसमें ज्यादा हाशं प्रोडक्ट का इस्तेमाल होता है।

कार्नर न्यूज

फैशन पर सिर्फ महिलाओं की समझ और पसंद को जरूरी नहीं माना जा सकता है। पुरुषों के स्टाइल का भी अपना अलग एक पैमाना है। इस पैमाने पर खरा उतरने के लिए पुरुषों को भी कई सारे नियम-कायदे ध्यान रखने होते हैं। ताकि वो परफेक्ट दिखें और फैशन की दुनिया में पीछे न रह जाएं। इसलिए फैशन को अपनाइए और क्रॉप्ड पैट पहनने का सही तरीका जानिए। वही क्रॉप्ड पैटन जो नीचे से थोड़ी ऊंची और पसंद के मुताबिक थोड़ी टाइट भी होती है। इस पैट को यहीं खरीद कर पहन लेने की सोचिएगा भी नहीं क्योंकि इसको पहनने का एक खास तरीका होता है। सबसे पहले तो इसी सवाल का जवाब जानिए कि पैट ऊंची हो तो कितनी? इसका जवाब है ये पेंट जूतों से 3 इंच ऊपर होनी चाहिए और मिड काल्फ से नीचे भी। अब सवाल ये है कि इन पैट को फिट को कितना स्लिम या वाइड होना चाहिए? इसके लिए आपको अच्छे फिट वाली स्किनी या स्लिम कट जींस पहननी चाहिए। लेकिन मूवमेंट के



लिए इसमें जगह होनी चाहिए। अब इस पैट को स्टाइल करने की बात करते हैं तो आपको इनमें नेवी, ब्लैक और सफेद रंगों का चुनाव करना चाहिए। इसके अलावा अगर आप कोई और रंग चुनते हैं तो रॉयल ब्लू, बरगंडी वगैरह चुने जा सकते हैं। इन पैट के साथ जूते चुनते हुए भी सावधानी बरतें। इनके साथ ऐसे जूते पहनें, जिनमें मोजे पहने बिना काम चल जाए। या फिर आप बिना मोजों के ही जूते पहनें। इसके साथ आप स्लिप आन स्टाइल के जूते पहन लें, वो आपके लुक को बेस्ट बना देंगे। लेस अप केनवास शूज का चुनाव भी अच्छे रहेगा। क्रॉप्ड पैट को ब्लेजर के साथ पहनना भी स्टाइल से जुड़ा जरूरी और बेहतरीन निर्णय हो सकता है।



बनारसी साड़ी को नए अंदाज में करें कैरी, लोग नजरें नहीं हटा पाएंगे

बनारसी साड़ी को अलग अंदाज में कैरी करके अपना लुक बदलना चाहती हैं, तो हमारे द्वारा बताई गई इन टिप्स को फॉलो करें। साड़ी एक ऐसा परिधान है, जिसे महिलाएं हर मौके पर पहनना पसंद करती हैं। बात करें साड़ियों के टाइप की तो ज्यादातर महिलाओं को बनारसी साड़ी पसंद आती है। उत्तर प्रदेश के बनारस में बनने वाली ये बनारसी साड़ी शादी-विवाह से लेकर पूजा-पाठ के मौके के लिए भी सबसे सही विकल्प मानी जाती है। महिलाएं तो बनारसी साड़ी को बड़े चाव से पहनती हैं, लेकिन युवा लड़कियों को पारंपरिक परिधान में मॉडर्न टच देना पसंद आता है। इसी के चलते हम आपको बताएंगे कि कैसे आप अपनी पुरानी बनारसी साड़ी को अलग और नए अंदाज में कैरी कर सकती हैं। इससे आपको पुरानी से पुरानी साड़ी भी दोबारा नए तरह से इस्तेमाल हो जाएगी।



सिंगल ब्लाउज को करें ना

यदि आप अपनी बनारसी साड़ी को अलग और नए अंदाज में कैरी करना चाहती हैं तो सिंगल से ब्लाउज को टाटा कहकर उसकी जगह क्रॉप टॉप को स्टाइल करें। ग्लैमरस लुक चाहिए तो बनारसी साड़ी के साथ कोर्सेट स्टाइल का ब्लाउज कैरी करें। वन-शोल्डर ब्लाउज भी आपके बनारसी साड़ी लुक को अलग और नया बनाने में मदद करेगा।

पहनें केप

आजकल महिलाओं के बीच केप का काफी ट्रेंड है। केप हर तरह के आउटफिट के साथ अच्छा लगता है। साड़ी के पल्लु को अच्छी तरह से ड्रैप करके अगर आप केप पहनेंगी तो आपका अंदाज काफी अलग और नया लगेगा। इसके लिए मैचिंग की जगह एक दम कॉन्ट्रास्ट का केप खरीदें, ताकि उसका लुक अच्छा दिखे।

बेल्ट लगाएं

बॉस लेडी लुक कैरी करना है तो आप साड़ी के साथ लेदर बेल्ट लगा सकती हैं। लेदर बेल्ट की वजह से आपका लुक काफी अलग और स्टेटेलिश दिखेगा। ध्यान रखें कि ये बेल्ट आउटफिट से मैच खाती हो। इसके साथ ज्यादा चौड़ी बेल्ट का इस्तेमाल तो कतई न करें।

खरीदने से पहले जान लें लेस और गोटा पत्ती में फर्क

महिलाओं को बहुत अच्छे से पता होता है कि किस कपड़े को कैसे स्टाइल करना है। वो सादे से कपड़ों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कुछ न कुछ ऐसा ढूँढ़ ही लेती हैं, जो उनके लुक को पूरी तरह से बदल देता है। खासतौर पर एथनिक आउटफिट में चार चांद लगाने के लिए आपने भी कभी न कभी गोटा पत्ती और लेस का इस्तेमाल किया होगा। महिलाएं कपड़े पर क्या सूट करेगा, वो इस्तेमाल तो कर लेती हैं, लेकिन उन्हें इन दोनों चीजों का फर्क ही नहीं पता होता है। इसी के चलते हम आज के लेख में आपको लेस और गोटा पत्ती में फर्क बताएंगे, ताकि आप भी अपने आउटफिट के लिए सही चीज का चयन कर सकें।

कैसे हुई लेस की उत्पत्ति

कपड़ों की खूबसूरती बढ़ाने वाली लेस की उत्पत्ति 16वीं शताब्दी में यूरोप से हुई। उस वक़्त इसके दो मुख्य प्रकार, सुई लेस और बॉबिन लेस विकसित हुए, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। शुरुआती दिनों में ये लिनन या रेशम के धागे से बनाई जाती थी, लेकिन आज के समय में इसे बनाने में कॉटन, नेट, नायलॉन, पॉलिएस्टर के धागों का इस्तेमाल भी किया जाता है।

कैसी होती है बनावट ?

अब बात करते हैं लेस की बनावट की तो इसकी बनावट



काफी जालीदार, मुलायम, हल्की होती है। यही वजह है कि रोजाना पहनने वाले कपड़ों में भी लेस का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर कुर्ती, गाउन, टॉप, दुपट्टा, साड़ी के बॉर्डर तैयार करने में किया जाता है।

इस्तेमाल का उद्देश्य और कीमत

अब जानते हैं कि लेस का इस्तेमाल क्यों होता है और इसकी कीमत क्या रहती है। तो आपको बता दें कि आमतौर पर लेस काफी सस्ती आती है। यही वजह है कि रोजाना पहनने वाले कपड़ों में भी लोग इसे लगा लेते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य कम दाम में कपड़े की खूबसूरती को बढ़ाना रहता है।

पुरुषों के स्टाइल का होता है अलग पैमाना

मेंस फैशन में सबकी पसंदीदा है क्रॉप्ड पैट, सही स्टाइल अपनाएंगे तो आपको मिलेगा परफेक्ट लुक